चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS)

के अंतर्गत

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना (LOCF)

स्नातक (पत्रकारिता एवं जनसंचार): द्वितीय वर्ष

सत्र : 2022-23

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

गांधी हिल्स, वर्धा 442001 महाराष्ट्र, भारत

वेबसाइट: http://www.hindivishwa.ac.in

विद्यापीठ

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

विभाग

जनसंचार विभाग

विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 04 के अनुसार:

विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना, देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना, विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना, और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना होगा।

विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)
हिंदी माध्यम से उच्च शिक्षा में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के विषयों यथा जनसंचार, जनजातीय अध्ययन व समाजकार्य, इतिहास विभाग, राजनीतिशास्त्र और समाजशास्त्र के अध्ययन और अनुशीलन को बढ़ावा देकर ज्ञान का विस्तार करना।मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित जनसंचार विभाग, मानवविज्ञान विभाग, महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य केंद्र, इतिहास विभाग, राजनीतिशास्त्र और समाजशास्त्र विभाग के पाठ्यक्रमों का उद्देश्य शिक्षार्थी को रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराना और उसे समर्थ और कुशल व्यक्तित्व उपलब्ध कराना है।

2. विभाग/केंद्र की कार्ययोजना (Action Plan ofthe Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

जनसंचार विभाग संपूर्ण भारत की विभिन्न भाषाओं में गुंथी हुई संचार व्यवस्था केंद्रित अध्ययन व अनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय

1. संचार की वाचिक परंपरा तथा लिपिविहीन समाजों की संचार संपदा का संकलन और अध्ययन।
2. हिंदी मीडिया की भाषा में हो रहे विकास और ह्रास का अनुशीलन और समुचित दिशा देने का यत्न।
3. स्थान और समय की चुनौतियों के अनुरूप हिंदी मीडिया की भाषा का सिद्धांत निर्माण।
4. इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का उपयोग करना और अपने ज्ञान को उस पर अपलोड करना और डिजिटल आर्काइव बनाना।
5. भारत की विभिन्न भाषाओं के मीडिया के साथ हिंदी मीडिया का संबंध जोड़ना और विभिन्न भाषाओं की पत्रकारिता में सहकार संबंध स्थापित करना। भारत की समस्त भाषाओं के मीडिया में संचार सौंदर्य का संकलन और अनुशीलन।
6. सही और गलत समाचारों को अलग करने का शास्त्र और उसकी तकनीक विकसित करना और उसका प्रशिक्षण देना।
7. भोजपुरी, अवधी, बघेली, बुंदेलखंडी, अंगिका, ब्रज, हरियाणवी आदि बोलियों वाले समाज तथा हिंदीतर भाषाओं के सांस्कृतिक संचार के रूपक और प्रतिमानों का अध्ययन और संकलन।

ध्येय पूर्ति हेतु कार्ययोजना

1. हिंदी मीडिया की भाषा के स्वरूप को गढ़ना और निरंतर समृद्ध करते रहना। उदाहरण के लिए मुबंई के हिंदी मीडिया में मुंबइया हिंदी, हैदराबाद में हैदराबादी हिंदी, कलकत्ता में कलकतिया हिंदी, भोपाल के हिंदी मीडिया में भोपाली हिंदी के संचार प्रभावों का अध्ययन। विज्ञापन की भाषा में भी स्थानीय भाषा के प्रयोग की संभावनाओं का अध्ययन।
2. किसान की भाषा, मजदूर की भाषा, व्यापारियों की भाषा, निम्न मध्यवर्गीय भाषा, सधुक्कड़ी भाषा, घुमंतू और विलुप्त हो रही जनजातियों की भाषा के संचार प्रभावों का अध्ययन।
3. जनभाषा, शास्त्र की भाषा और बाजार की भाषा के बीच संवाद स्थापित करते हुए मुद्रित, दृश्य-श्रव्य और नव माध्यम के लिए लेखन का प्रशिक्षण।
4. वर्तनी का मानकीकरण, सरलीकरण और देशीकरण। तदनुसार मीडिया पाठ्यक्रम तैयार करना और प्रशिक्षण का प्रबंध करना।
5. हिंदी मीडिया का शब्द निर्माण। शब्द कोश निर्माण।

स्नातक (पत्रकारिता एवं जनसंचार): प्रथम वर्ष
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

1. **विभाग/केंद्र का नाम : जनसंचार विभाग**
2. **पाठ्यक्रम का नाम : स्नातक (पत्रकारिता एवं जनसंचार)**
3. **पाठ्यक्रम कोड :**
4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम:**

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
1 विद्यार्थी जनसंचार एवं पत्रकारिता की सैद्धांतिकीका मूल ज्ञान अर्जित करेंगे। 2 विद्यार्थी भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता का ज्ञानार्जन करके पत्रकारिता के माध्यम से भाषा के उत्थान में कार्य करेंगे। 3 विद्यार्थी में अंतरराष्ट्रीय जनमाध्यमों की समझ विकसित होगी । 4 विद्यार्थी भारतीय एवं वैश्विक विधि व नैतिक मूल्यों का ज्ञान अर्जित करेंगे। 5 विद्यार्थी में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के दायित्व की समझ विकसित होगी।	6 विद्यार्थी संचार कौशल में दक्षता प्राप्त करेंगे। 7 विद्यार्थी प्रिंट मीडिया के विभिन्न कार्यक्षेत्रों में निपुण बनेगा। 8 विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, रेडियो, टेलीविजन, फिल्म, न्यू मीडिया एवं फोटोग्राफी की तकनीकी दक्षता अर्जित करेंगे। 9 विद्यार्थी में डिजिटल संचार तकनीकी उपयोग की क्षमता विकसित होगी। 10 विद्यार्थी में विज्ञापन एवं जनसंपर्क की कार्यक्षमता बढ़ेगी। 11 विद्यार्थी में शोध कार्य करते हुए स्थानीय समस्याओं के समाधान का कौशल विकसित होगा। 12 विद्यार्थी में सहभागी संचार का प्रयोग एवं सांगठनिक रूप से कार्य करने की क्षमता का निर्माण होगा।	13 विद्यार्थी में मीडिया के व्यावसायिक एवं अकादमिक क्षेत्र में निपुणता आएगी। 14 स्नातक स्तर के कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न विधाओं में दक्ष, पेशेवर, मूल्यपरक मीडियाकर्मी तैयार होंगे। 15 विद्यार्थी प्रिंट मीडिया के विभिन्न आयामों जैसे- संपादन, रिपोर्टिंग, फ़िल्म लेखन, फ़ोटोग्राफ़ी इत्यादि में कार्य करने में दक्ष होंगे। 16 विद्यार्थी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विभिन्न आयामों जैसे- विडियो संपादन, रिपोर्टिंग, ऐंकरिंग, विडियोग्राफ़ी इत्यादि में कार्य करने में दक्ष होंगे। 17 विद्यार्थी डिजिटल मीडिया के विभिन्न आयामों जैसे- वेब रिपोर्टिंग, संपादन, वेब प्रोडक्शनहेतु दक्ष होंगे। 18 विद्यार्थी मीडिया उद्यमी के रूप में तैयार होंगे।

पाठ्यक्रम संरचना :

वर्ष	सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या एवं क्रेडिट (Core Course, code and credit)			योग
द्वितीय वर्ष	तृतीय सेमेस्टर		डिजिटल मीडिया	2	06 क्रेडिट
			रेडियो पत्रकारिता	2	
			टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण	2	
	चतुर्थ सेमेस्टर		सतत एवं सहभागी विकास संचार	2	06 क्रेडिट
			फ़ोटो पत्रकारिता	2	
			जनसंपर्क एवं विज्ञापन	2	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम** : **डिजिटल मीडिया**
2. **पाठ्यचर्या का कोड** :
3. **क्रेडिट** : **02**
4. **सेमेस्टर** : **तृतीय सेमेस्टर**
5. **पाठ्यचर्या विवरण :**
   इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी डिजिटल मीडिया के बारे में जानते हुए इसके विविध आयामों और इसकी शब्दावली को समझ सकेंगे।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**04**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- डिजिटल मीडिया को समझने में सक्षम
- डिजिटल मीडिया की लेखन शैली में दक्षता
- डिजिटल मीडिया के विविध आयामों के बारे में जानना
- डिजिटल मीडिया से उत्पन्न शब्दावली से परिचित होना

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	**डिजिटल मीडिया की अवधारणा** • डिजिटल मीडिया का अर्थ एवं परिभाषा • साइबर युग का उद्रव और विकास • न्यू मीडिया की विकास योजना • डिजिटल मीडिया के लिए भाषा शैली • साइबर सुरक्षा संबंधी नीतियां	13	02		15	**50**
मॉड्यूल-2	**डिजिटल मीडिया के विविध आयाम** • ई-शिक्षा, ई-प्रशासन, ई-कॉमर्स, डिजिटल खेल • डिजिटल मीडिया से उत्पन्न शब्दावली (मीडिया कन्वर्सेंस, वर्चुअल रियलीटी, डिजिटल डिवाइस, डिजिटल डेमोक्रसी, डिजिटल अफरिव, नेट न्यूट्रिलिटी • स्पेशल मीडिया की भाषा (इन्फोपिक्स, इमोटिकॉन्स, नियोलोगिएम) • प्रमुख वेब संस्करण (समाचार पत्र- पत्रिकाएं, न्यूज चैनल)	13	02		15	**50**
योग		**26**	**04**		**30**	**100%**

टिप्पणी:

1 **प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स:

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	X	-	-	-	X	X	-	-	X	-

टिप्पणी:

1 **X**-पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण**

1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• स्वर्ण सुमन (2014). *सोशल मीडिया.* हार्परकौलिंस पब्लिशर्स इंडिया • आरती सिंह & विभा ठाकुर (2018). *सोशल मीडिया में साहित्य का बदलता स्वरूप*. स्वराज प्रकाशन • विजय कुलश्रेष्ठम. *साइबर पत्रकारिता.*जयपुर,राजस्थान: राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, • JPMishra (2014). *An Introduction to Cyber Law.*Allahabad,UP: Central Law Publication • Steve Jones (2003). *Encyclopedia of New Media.* New Delhi: Sage Publications.
3	ई-संसाधन	**www.swayam.gov.in** **https://www.researchgate.net/publication/48382564_Online_Journalism_in_the_Information_Age** **https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/95125/4/chapter%201.pdf** **http://www.philol.msu.ru/~discours/images/stories/speckurs/New_media.pdf** **http://people.stern.nyu.edu/aghose/msi_4.pdf** **https://2012books.lardbucket.org/pdfs/a-primer-on-communication-studies/s16-new-media-and-communication.pdf**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. **पाठ्यचर्याका नाम** : **रेडियो पत्रकारिता**
2. **पाठ्यचर्याकाकोड** :
3. **क्रेडिट** : **02**
4. **सेमेस्टर** : **तृतीय सेमेस्टर**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण : यह पाठयचर्या विद्यार्थी हेतु रेडियो माध्यम की गहन समझ तथा रेडियो पत्रकारिता के तकनीकी स्वरूप व संचालन की निपुणता के उद्देश्य से संयोजित है। पाठ्यचर्या में रेडियो पत्रकारिता तथा प्रसारण हेतु कार्यक्रम निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण की मानक धारणाओं से रेडियो प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर संचालन को प्रमुखता से सम्मिलित किया गया है। रेडियो सहित ऑडियो माध्यमों के व्यापक क्षेत्र में व्यावसायिकता एवं उत्कृष्ट कैरियर हेतु विद्यार्थी इस पाठ्यचर्या से रोजगार परक व सुयोग्य पत्रकार के साथ तकनीकी दक्ष बन सकेंगे।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम :

- विद्यार्थी रेडियो पत्रकारिता के आवश्यक पहलू, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन में दक्षता रखेगा।
- रेडियो पत्रकारिता के आधुनिक सॉफ्टवेयर की संचालन प्रणाली नियोजित करने योग्य होगा।
- रेडियो कार्यक्रम सहित समाचार लेखन एवं प्रसारण विशेषज्ञ होगा।
- विद्यार्थी रेडियो कार्यक्रम प्रबंधक, प्रोड्यूसर, उद्घोषक एवं प्रस्तुतकर्ता बनने के लिए तैयार होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-2	**रेडियो पत्रकारिता : अवधारणात्मक आयाम** • रेडियो पत्रकारिता का इतिहास • रेडियो पत्रकारिता के क्षेत्र, प्रासंगिकता एवं उपयोग • एफएम, सामुदायिक रेडियो, इंटरनेट रेडियोआदि में पत्रकारिता • लोक प्रसारण एवं व्यावसायिक रेडियो प्रसारण • रेडियो कार्यक्रम की प्रमुख विधाएं (वार्ता, परिचर्चा, साक्षात्कार एवं समीक्षा) • रेडियो प्रसारण की योजनाएवं विषयवस्तु निर्माण	10	05		15	50 %
मॉड्यूल-1	**रेडियो प्रसारण, प्रस्तुति एवं प्रबंधन** • रेडिया प्रसारण तकनीकी एवं चैनल संचालन	10	05		15	50%

	• रेडियो पत्रकारिता हेतु प्रौद्योगिकी व सॉफ्टवेयर उपयोग • रेडियो पत्रकारिता और प्रबंधन • रेडियो पत्रकारिता एवं ऑडियो प्रोडक्शन की सैद्धांतिकी • रेडियो पत्रकारिता के प्रमुख उपकरण व अनुप्रयोग					
योग						

टिप्पणी:

1. **प्रत्येक सेमेस्टर में 01क्रेडिट के लिए कुल 15घंटे निर्धारित हैं।**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण व प्रशिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, स्टूडियो एवं वेबलैब प्रायोगिकी
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य-श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	डेक्सटॉप/लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणामकीमैट्रिक्स:

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	**X**	-	-	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-	**X**

टिप्पणी:

3 **X**-पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

4 एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन(30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण(APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Basic Radio Journalism, Paul Chantler& Peter Stewart, Oxford, 2003 • Other Voices: The Struggles for Community Radio in India, Vinod Pavaralaand. Kanchan K. Malik, Sage, New Delhi, 2007
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Rick Thomson (2010). Writing for Broadcast Journalists, New York: Routledge.
3	ई-संसाधन	**http://www.uprtou.ac.in/other_pdf/PGDEM&FP-01.pdf** **http://assets.vmou.ac.in/DMC01.pdf** **https://swayam.gov.in/** **https://epgp.inflibnet.ac.in/**
4	अन्य	Stephen W. Littlejohn & Karen A. Foss. (2009). Encyclopedia of Communication Theory. SAGE Publications, Inc.

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम : टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण

2. पाठ्यचर्या का कोड :

3. क्रेडिट : 02

4. सेमेस्टर : तृतीय सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**04**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण : इस पाठ्यचर्या में भारत में टीवी उद्योग तथा टीवी कार्यक्रम निर्माण की कार्य शैली में दक्षता हासिल करने की दृष्टि से पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु को प्रस्तुत किया गया है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

- विद्यार्थी आधुनिक मीडिया की नवाचार तकनीक में कार्य करने में सक्षम हो सकेगा।
- विद्यार्थी भारत में टीवी उद्योग की कार्य पद्धति से भिज्ञ हो सकेगा।
- विद्यार्थी टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण की कार्यशैली एवं तकनीकी में दक्ष हो सकेगा।
- विद्यार्थी टीवी कैमरा संचालन तथा वीडियो संपादन में प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।
- विद्यार्थी नए युग की पत्रकारिता / तकनीकी ज्ञान में समृद्ध हो सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु:

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	**टेलीविजन उद्योग : परिचय एवं परिधि** • टेलीविजन उद्योग संचालन पद्धति एवं प्रकार – व्यावसायिक, गैर व्यावसायिक • टीवी उद्योग के प्रभाग – निर्माण, वितरण/विपणन, प्रदर्शन /प्रसारण • टेलीविजन कार्यक्रम – परिचय, प्रकार एवं स्वरूप • टीवी स्टूडियो एवं ओबी वैन	13	02		15	**50**
मॉड्यूल-2	**कार्यक्रम निर्माण : प्रक्रिया एवं प्रविधि** • कार्यक्रम प्रस्ताव एवं बजट निर्धारण • प्रोडक्शन टीम • कार्यक्रम निर्माण के चरण – प्री प्रोडक्शन, प्रोडक्शन, पोस्ट प्रोडक्शन • इएनजी एवं इएफजी प्रोडक्शन	13	02		15	**50**

	• वीडियोग्राफी तकनीक: कैमरा संचालन, प्रमुख शॉट एवं शॉट संयोजन • वीडियो संपादन : उपकरण एवं साफ्टवेयर					
योग		**26**	**04**		**30**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	विवेचनात्मक, निगमनात्मक/अनुमानात्मक, अंतरानुशासनिक,समेकित, चिंतनशील, निर्माणवादी, कक्षा अध्यापन, प्रायोगिक।
विधियाँ	व्याख्यान, परिचर्चा, पैनल चर्चा, विचार –विमर्श, सामूहिक चर्चा, प्रस्तुतीकरण, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	सहयोगी अधिगम, विभेदित अनुदेशन, कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन,पावर,पोईंट प्रेज़ेंटेशन,दृश्य- श्रव्य माध्यम ,वेब पेज ,ब्लॉग ,सोशल मीडिया ,यू ट्यूब।
उपादान	लैपटॉप, स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर, वीडियो कैमरा, वीडियो संपादन उपकरण एवं साफ्टवेयर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स:

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	**X**	-	-	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-	**X**

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	• टेलीविजन की दुनिया, प्रभु झिंगरन, भारती प्रकाशन, वाराणसी : • टेलीविजन प्रोडक्शन, डॉ. देवव्रत सिंह, माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन, भोपाल • संचार के सात सोपान, डॉ. अनिल कुमार राय, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डॉ. संजीव भानावत • Television Production handbook, Herbert Zettle, Cengage Learning Publication • Television Production, Owens J and Millerson G, Focal Press fifteenth Edition 2012 • Television in India, Acharya R.N., Manas Publication, Delhi. • Television in India, Desai M.K., Authors Press, New Delhi. • Basics of Electronic Media, Khan J., Shipra Pbulication, New Delhi. • Television Broadcasting, Siddiqui H., Anmol , New Delhi. • Television and Radio Broadcasting, Ramanujan R.C., APH Publication, Delhi.

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1 पाठ्यचर्या का नाम : सतत एवं सहभागी विकास संचार

2 **पाठ्यचर्या का कोड :**

3 क्रेडिट : 02

4 सेमेस्टर : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**4**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5 पाठ्यचर्या विवरण: इस पाठ्यचर्या द्वारा विद्यार्थी विकास की अवधारणा तथा समाज में व्याप्त समस्याओं पर विचार करेंगे। विकास, सहभागिता एवं मीडिया के अंतरसम्बंध को समझेंगे।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम:

- विद्यार्थी विकास एवं संचार के अंतरसंबंध को समझेंगे।
- विद्यार्थी सतत एवं सहभागी विकास के भारतीय दृष्टिकोण को समझेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.		
मॉड्यूल-1	• विकास : अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा • विकासकाउद्देश्य, महत्त्व, कारक एवं तत्त्व • महात्मा गांधी का वैकल्पिक विकास मॉडल • साइट और खेड़ा प्रोजेक्ट • बांग्लादेश ग्रामीण बैंक	13 घंटे	2 घंटे	-	15 घंटे	**50**
मॉड्यूल-3	• विकास संचार • सतत विकास संचार • सहभागी विकास संचार • निर्भरता का सिद्धांत • नवाचार का विस्तार	**13** घंटे	2 घंटे	**--**	15 घंटे	**50**
योग		**26**	**04**	**--**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. प्रत्येक सेमेस्टर में 01क्रेडिट के लिए कुल 15घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स:

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य - 1	लक्ष्य - 2	लक्ष्य - 3	लक्ष्य - 4	लक्ष्य - 5	लक्ष्य - 6	लक्ष्य - 7	लक्ष्य - 8	लक्ष्य - 9	लक्ष्य - 10	लक्ष्य - 11	लक्ष्य - 12	लक्ष्य - 13	लक्ष्य - 14	लक्ष्य - 15	लक्ष्य - 16	लक्ष्य - 17	लक्ष्य - 18
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**X**	**X**	**X**	-	-	-	**X**

टिप्पणी:

1. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा **प्राप्त किये जाने वाले लक्षित** अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10.मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

बी.ए.जे.एम.सी. के लिए लिखित परीक्षा प्रारूप इस प्रकार होगी।

1	दीर्घ उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
2	लघु उत्तरीय	5 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
3	बहु विकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 1 अंक
			कुल 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन(30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• DVR Murthy (2012). *Development Journalism. What Next?* New Delhi: Kanishka Publishers. • सुशील त्रिवेदी & शशिकांत शुक्ल (2013). विकास संचार और पत्रकारिता. दिल्ली: प्रिया पुस्तक सदन. • Srinivas R Melkote and H Leslie Steeves(2001). *Communication for Development in the Third World.* New Delhi: SagePublication • Uma Narula (2013). Development Communication- Theory and Practice. New Delhi: Har-anand Publications Pvt Ltd.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• पत्रकारिता एवं विकास संचार- ए के उपाध्याय • विकास संचार के विविध परिदृश्य – चंद्रा शेखर यादव, हिमाद्रि पब्लिकेशन • विकास एवं सूचना क्रांति- पी जोशी, ग्रंथ शिल्पी • ग्रामीण विकास एवं नियोजन- रेखा शर्मा • ग्रामीण विकास में जनसंचार माध्यमों की भूमिका- राकेश निगम • Keval J. Kumar (2010).*Mass Communication In India.* Jaico Publication. • Uma Joshi (2013). *Understanding Development Communication.* New Delhi: Publishers & Distributors Pvt Ltd. • India Development and Participation- Jean Dreze& Amartya Sen
3	ई-संसाधन	**https://swayam.gov.in/**
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम : फोटो पत्रकारिता

2. पाठ्यचर्या का कोड :

3. क्रेडिट : 02

4. सेमेस्टर : चतुर्थ सेमेस्टर

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**4**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:

- विद्यार्थी फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र से संबन्धित तकनीकी ज्ञान एवं नई जांकारियों से अवगत होते हुए फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर निर्माण एवं व्यवसाय की संभावनाओं के संदर्भ में ज्ञान अर्जित करेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम:

- विद्यार्थी विभिन्न संस्थानों में फोटोग्राफर के रूप में कैरियर बनाने में सक्षम होंगे।
- प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में फोटो पत्रकार के रूप में क्षमता का विकास।
- प्रेस रिपोर्टर, फोटो संपादक, फोटो फीचर संपादक के रूप में कार्य करने में दक्ष।
- फोटोग्राफी के क्षेत्र में व्यवसाय आरंभ करने में सक्षम।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल/ संवाद** (यदि अपेक्षित है)	**प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला**		
मॉड्यूल-1	**फोटो पत्रकारिता एवं कैमरे का परिचय** • फोटो पत्रकारिता • फोटो पत्रकार के गुण एवं दायित्व • फोटो पत्रकारिता की सावधानियां एवं चुनौतियां • फोटो पत्रकारिता के क्षेत्र • कैमरे का परिचय • कैमरा लेंस, शटर स्पीड, अपर्चर	08	02	10/2	15	50
मॉड्यूल-3	**फोटोग्राफी का तकनीकी पक्ष एवं संपादन प्रक्रिया** • कैमरा हैंडलिंग, कैमरा एंगल • कैमरा शॉट्स • फोटोग्राफी: फ्रेम एवं कंपोजीशन • कैमरालाइटिंग तकनीक: 1/2/3/ लाइटिंग • फोटो संपादनसॉफ्टवेयर • फोटो संपादन तकनीक एवं चयन की प्रक्रिया	06	02	**14/2**	15	50
योग		**14**	**04**	**24/2**	**30**	**100**

टिप्पणी:

1. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम कीमैट्रिक्स :

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**X**	**X**	**X**	**X**	-	**X**

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा(70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	**08**	10	
पूर्णांक	30				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• सिंह, विष्णु प्रिया. (year). *डिजिटल फ़ोटोग्राफ़ी (हिंदी).*दिल्ली: कम्प्यूटेकप्रकाशन लिमिटेड. • बुक्स, कार्लटन. (year). *प्रैक्टिकल फोटोग्राफी डिजिटल कैमरा स्कूल: महान चित्र लेने के लिए कदम दर कदम गाइड.* लंदन: कार्लटन बुक्स लिमिटेड.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• यादव, नरेंद्र सिंह. (year). *फोटोग्राफी तकनीक और उपयोग.*राजस्थान: राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. • हसन, रियाज. (year). *डिजिटल फोटोग्राफी (हिंदी).* जयपुर, राजस्थान: बूक एन्क्लेवप्रकाशन.
3	ई-संसाधन	https://swayam.gov.in/ https://epgp.inflibnet.ac.in/ https://www.openschoolofjournalism.com/ https://www.flickr.com/photos/tags/flicker/ https://www.worldphoto.org/
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम : जनसंपर्क एवं विज्ञापन

2. पाठ्यचर्या का कोड :

3. क्रेडिट : 02

4. सेमेस्टर : चतुर्थ सेमेस्टर

5. पाठ्यचर्या विवरण :

.....

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**26**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**04**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टुडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम :

-
-
-

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद (यदि अपेक्षित है)	प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	**जनसंपर्क की अवधारणा** • जनसंपर्क का अर्थ और परिभाषा • जनसंपर्क का इतिहास • जनसंपर्क के माध्यम एवं प्रकार • जनसंपर्क के प्रमुख सिद्धान्त • जनसंपर्क की आचार संहिता • जनसंपर्क अधिकारी के गुण, कार्य एवं दायित्व	13	02		15	**50**
मॉड्यूल-2	**विज्ञापन : अवधारणा एवं विका** • विज्ञापन का अर्थ और परिभाषा • विज्ञापन की विकास यात्रा • विज्ञापन के माध्यम एवं प्रकार • विज्ञापन निर्माण तकनीक एवं भाषा शैली • विज्ञापन के मुख्य विद्धान्त • विज्ञापन की आचार संहिता	13	02		15	**50**
योग		**26**	**04**		**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	संवादात्मक एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण
विधियाँ	व्याख्यान, ई-व्याख्यान, परिचर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	पावर पॉइन्ट प्रेज़ेंटेशन, दृश्य- श्रव्य माध्यम, वेब पेज, ब्लॉग, सोशल, मीडिया, यू ट्यूब, मूडल्स
उपादान	लैपटॉप, मोबाइल, प्रोजेक्टर

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स :

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स

पाठ्यक्रम लक्ष्य	**लक्ष्य - 1**	**लक्ष्य - 2**	**लक्ष्य - 3**	**लक्ष्य - 4**	**लक्ष्य - 5**	**लक्ष्य - 6**	**लक्ष्य - 7**	**लक्ष्य - 8**	**लक्ष्य - 9**	**लक्ष्य - 10**	**लक्ष्य - 11**	**लक्ष्य - 12**	**लक्ष्य - 13**	**लक्ष्य - 14**	**लक्ष्य - 15**	**लक्ष्य - 16**	**लक्ष्य - 17**	**लक्ष्य - 18**
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	-	-	-	-	-	-	-	-	-	**X**	-	-	**X**	**X**	-	-	-	**X**

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना:

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा(70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	**08**	10	
पूर्णांक	30				70

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टुडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	